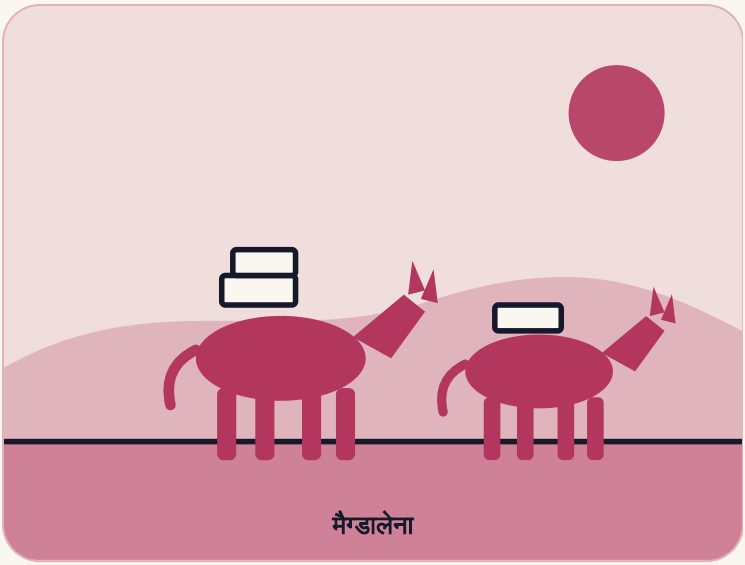

कोलंबिया

दो गधों पर पुस्तकालय लेकर चलने वाला शिक्षक

कोलंबिया के एक शिक्षक ने दो गधों पर किताबें लादीं और घंटों चलकर दूर के गाँवों के बच्चों तक पहुँचे।

कहाँ ला ग्लोरिया, मैग्डालेना

कौन लुइस सोरियानो, उत्तरी कोलंबिया के एक प्राथमिक स्कूल के शिक्षक

कब 1990 के दशक से 2011

4 मिनट में पढ़ें

पहला अध्याय

कहानी

लुइस सोरियानो उत्तरी कोलंबिया के ला ग्लोरिया के एक प्राथमिक स्कूल के शिक्षक हैं। उनके विद्यार्थी ग़रीब खेतिहर गाँवों में रहते थे। कई पढ़ाई में पीछे रह जाते थे। उनके माता-पिता अक्सर पढ़ नहीं सकते थे, और घर में किताबें नहीं थीं।

दो गधे

सोरियानो बच्चों तक किताबें पहुँचाना चाहते थे। घर पर उन्होंने दो गधे देखे, जिनके पास कोई काम नहीं था। उन्होंने किताबें उनकी पीठ पर लाद दीं। गधों के नाम थे अल्फ़ा और बेतो।

हर बुधवार को शाम ढलते और हर शनिवार को भोर में वे निकल पड़ते। वे अल्फ़ा पर सवार होते। बेतो और किताबें और बच्चों के बैठने के लिए एक कंबल लेकर पीछे चलता। कुछ सफ़र में एक तरफ़ चार घंटे तक लग जाते। वे बारी-बारी से 15 गाँवों में जाते।

हर गाँव में 40 से 50 बच्चे इंतज़ार करते। उन्हें होमवर्क में मदद मिलती। वे पढ़ना सीखते। वे रोमांचक कहानियाँ और भूगोल के पाठ सुनते। माता-पिता भी अक्सर शामिल हो जाते।

शुरू में बहुत-से लोग उन्हें पागल समझते थे।

> वे चिल्लाते, ‘कार्निवल का मौसम बीत गया।’ … अब मैंने इसे पार कर लिया है।
>
> लुइस सोरियानो, CNN से, 2010

120	15	4,000
एक सफ़र में ले जाई जाने वाली किताबें	उनके दौरे के गाँव	CNN के मुताबिक़ 2010 तक मदद पाए बच्चे

किताबें और डाकू

पुस्तकालय छोटा शुरू हुआ। एक रिपोर्ट कहती है कि यह लगभग 70 किताबों से शुरू हुआ। यह तब बढ़ा जब सोरियानो ने कोलंबिया के एक जाने-माने लेखक ख़ुआन गोसाइन को लिखा। उन्होंने लेखक के उपन्यास की एक प्रति माँगी। गोसाइन ने यह बात अपने रेडियो शो में सुनाई। श्रोताओं से किताबों की बाढ़ आ गई। जल्द ही लगभग 4,800 किताबें हो गईं।

यह काम सुरक्षित नहीं था। 2006 में डाकुओं ने उन्हें नदी के एक पार-घाट पर रोक लिया। जब उन्हें पता चला कि उनके पास पैसे नहीं हैं, तो उन्होंने उन्हें एक पेड़ से बाँध दिया। 2008 में गधे से गिरकर उनका पैर टूट गया। वे चलते रहे।

सोरियानो और उनकी पत्नी ने अपने घर के पास एक मुफ़्त पुस्तकालय भी बनाया। 2010 में CNN ने बताया कि उसमें 4,200 किताबें थीं, ज़्यादातर दान की हुई। वह मैग्डालेना का सबसे बड़ा मुफ़्त पुस्तकालय था।

2011 में उन पर बनी एक फ़िल्म अमेरिका के सार्वजनिक टीवी पर दिखाई गई। सोरियानो कहते हैं कि किताबें बच्चों को बड़ी दुनिया से जोड़ती हैं। “साहित्य ही वह ज़रिया है जिससे हम उन्हें दुनिया से जोड़ते हैं।”

कब क्या हुआ

- **90 द.** सोरियानो गधों पर गाँवों तक किताबें ले जाना शुरू करते हैं।
- **2006** डाकू उन्हें नदी के रास्ते पर एक पेड़ से बाँध देते हैं।
- **2008** गधे से गिरकर उनका पैर टूट जाता है।
- **2010** CNN के मुताबिक़ 4,000 से ज़्यादा बच्चों को मदद मिली।
- **2011** उन पर बनी एक फ़िल्म अमेरिकी सार्वजनिक टीवी पर दिखाई जाती है।

दूसरा अध्याय

यह कहानी ख़ास क्यों है

पढ़ने के कई अभियान इंतज़ार करते हैं कि पाठक आएँ। यह अभियान उनके पास गया, घाटियों से होकर, दो गधों पर।

इसकी शुरुआत तब हुई जब एक शिक्षक ने देखा कि उसके पास पहले से क्या है: दो गधे, जिनके पास कोई काम नहीं था।

हमारी राय

उन्होंने बच्चों के किताबों तक पहुँचने का इंतज़ार नहीं किया। वे किताबों को बच्चों तक ले गए।

तीसरा अध्याय

हम क्या सीख सकते हैं

1 जो आपके पास पहले से है, उसे देखिए

सोरियानो ने दो बेकार खड़े गधे देखे, और वही उनके किताब ढोने वाले बन गए।

यह आज़माएँ: तीन ऐसी चीज़ें लिखिए जो आपके पास हैं या आप कर सकते हैं और जो बेकार पड़ी हैं। एक को आज़माइए।

2 लोगों के पास जाइए

वे बच्चों के आने का इंतज़ार करने के बजाय एक तरफ़ चार घंटे तक सफ़र करते थे।

यह आज़माएँ: किसी ऐसे व्यक्ति के पास कोई एक काम की चीज़ ले जाइए जो आपके पास नहीं आ सकता।

3 हँसी को गुज़र जाने दीजिए

शुरू में बहुत-से लोग उन्हें पागल समझते थे। वे आते रहे।

यह आज़माएँ: अपने विचार का अगला छोटा क़दम उठाइए, भले कोई हँसे।

4 मदद माँगिए

एक लेखक को लिखी उनकी चिट्ठी से श्रोताओं ने हज़ारों किताबें भेजीं।

यह आज़माएँ: एक छोटा संदेश लिखिए जिसमें किसी एक साफ़ चीज़ की माँग हो जो आपको चाहिए।

साथ ले जाने वाली एक बात

किताब सबसे दूर तब पहुँचती है जब कोई उसे उठाकर ले जाए।

स्रोत (अंग्रेज़ी में)

CNN
Teaching kids to read from the back of a burro (2010)

PBS POV
Biblioburro (film page, 2011)

Tropical Commons
Biblioburro: the donkey-powered mobile library educating and empowering children and communities in rural Colombia (2019)

तथ्य-जाँच नोट: स्रोत मुख्य कहानी पर एकमत हैं और ब्योरों में अलग हैं। शुरुआत का साल 1990 (CNN) या 1997 (Tropical Commons) है; विकिपीडिया, द न्यूयॉर्क टाइम्स का हवाला देकर, 1990 के दशक का अंत कहता है, और PBS 2011 में “एक दशक पहले” कहता है। इसलिए कहानी समयरेखा में सिर्फ़ “1990 का दशक” देती है। वे एक सफ़र में 120 किताबें ले जाते थे (CNN) और पुस्तकालय लगभग 70 किताबों से शुरू हुआ (Tropical Commons)। संग्रह 2010 में 4,200 किताबों का (CNN) और लगभग 4,800 किताबों का (Tropical Commons और विकिपीडिया, द न्यूयॉर्क टाइम्स, 2008 का हवाला देकर) बताया गया है। CNN उनकी उम्र 38 और PBS 39 बताता है। ख़ुआन गोसाइन को चिट्ठी वाली बात Tropical Commons और विकिपीडिया से है; मैंने द न्यूयॉर्क टाइम्स या द वॉशिंगटन पोस्ट के वे लेख नहीं खोले जिनका हवाला विकिपीडिया देता है। विकिपीडिया बताता है कि 2012 में गधे के हादसे के बाद उनका एक पैर काटना पड़ा; यह एक ही स्रोत है, इसलिए कहानी इसे छोड़ देती है। CNN और Tropical Commons उन्हें मैग्डालेना इलाक़े में बताते हैं; पिन इलाक़े को दिखाता है, किसी ठीक गाँव को नहीं। “हमारी राय” वाली पंक्तियाँ हमारी अपनी व्याख्या हैं। बाकी सब ऊपर दिए स्रोतों से है।